सावधानियॉ

- केवल 1250-1300 लार्वे/चंद्रिकाओं का आरोपण करें।
- आरोपण के बाद 4-5 घंटों तक चंद्रिकाओं को छोड़ दें।
- चंद्रिकाओं को छड़ी की सहायता से छत पर लटकाएँ ताकि वे ठीक तरह से घूम सके।
- चंद्रिकाओं को लटकाने के बाद स्टोपर का उपयोग करते हुए ढ़ाचे को घूमने से रोके ताकि अचानक घूमने से कीटों को नीचे गिरने से बचाया जा सके।
- जब 80% कीट चढ़ जाते हैं, तब चंद्रिका को घुमाया जाए।
- चंद्रिका के नीचे अवशोषण प्रकृति की चटाई सामग्री (घास-फूस/कुनाई) रखी जाए ताकि मूत्र का अवशोषण हो तथा गिरने वाले कीटों को भी बचाया जा सके।
- पहले दिन के बाद चटाई सामग्री को हटाकर फर्श को साफ करें।
- कोसा प्राप्ति से पहले सभी मृत/झीने कोसों को निकाल दें।
- प्लास्टिक पुशर/मिश्र कोसा हार्वेस्टर युक्त काष्ठीय ढॉचे का उपयोग करते हुए कोसा प्राप्त किया जा सकता है।

आरोपण के दौरान सावधानियॉ

- आरोपण कक्ष में 24-25 से तापमान, 65-70% आपेक्षिक आर्द्रता और अच्छा संवातन बनाए रखना है।
- उच्च तापमान/आपेक्षिक आर्द्रता का कोसों की धागाकरण क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अत: पर्याप्त संवातन और वायु संचार की उचित व्यवस्था होनी चाहिए।

कोसा प्राप्ति

- ग्रीष्म ऋतु में निर्मोक के 5-6 दिन बाद और शीत/वर्षा ऋतु में 6-7 दिन बाद कोसा प्राप्ति की जाए।
- कोसा प्राप्ति के बाद कोसों को साफ करके प्ररोह कीटपालन रैक पर एक परत में फैला दें और उसमें से सभी दोषपूर्ण कोसों को निकाल दें।

कोसों का परिवहन

- छांटे गए कोसों को अबद्ध रूप से थैलियों/प्याज थैलियों में पैक करें।
- दिन के ठंडे समय पर परिवहन किया जाए।
- कोसा बाज़ार में पहुँचते ही थैलियों को खोलकर बाज़ार में उपलब्ध रैकों में फैला दें।
- केंरेप्रौअसं, बेंगलूर द्वारा संस्थापित कोसा परीक्षण केंद्र से कोसा परीक्षण परिणाम प्राप्त कर कोसों की गुणवत्ता जाने।

विषय:
एम टी हिमंतराज, जी एस विंध्या व सतीश वर्मा

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

निदेशक

केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान
(आई एस ओ 9001:2008 प्रमाणित)
(केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार)
श्रीरामपुरा, मैसूर-570 008
दूरभाष: 0821-2362757, 2362406
फैक्स: 0821-2362845 वेब:www.csrtimys.res.in
ई-मेल: csrtimys.csb@nic.in

Copies: 1000 November 2015 Design & Layout: J. Justin Kumar

चंद्रिकाओं तथा आरोपण के दौरान सावधानियॉ

केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान
(आई एस ओ 9001: 2008 प्रमाणित)
केंद्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार
श्रीरामपुरा, मैसूरु-570 008

रेशम उत्पादन का अंतिम उत्पाद कच्चा रेशम है । गुणात्मक कच्चा रेशम उत्पादित करने हेतु गुणवत्ता वाले उत्कृष्ट कोसों की आवश्यकता है । कोसों में निम्नलिखित विशेषताएँ होनी चाहिए ।

- एक समान आकार/माप के कोसे हो ।
- दोषपूर्ण कोसों की संख्या कम हो (5% से कम)
- अधिक धागाकरण क्षमता (80% से अधिक)

उत्कृष्ठ कोसों के उत्पादन के कई घटक है । चंद्रिकाएँ और आरोपण में बरती जाने वाली सावधानियॉ महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है । भारत में आरोपण हेतु सामान्यत: बांस की चंद्रिकाओं का उपयोग किया जाता है । परन्तु, इन चंद्रिकाओं में दोषपूर्ण कोसों की प्रतिशतता 30%से अधिक होती है, कोसा आकार/माप एक समान नहीं होता और धागाकरण क्षमता 60%-70%तक कम होता है । उक्त दोषों को दूर करने हेतु प्लास्टिक और रोटरी चंद्रिकाओं की सिफारिश की जाती है ।

प्लास्टिक चंद्रिकाएँ

कोसा निर्माण करने वाले कीटों को चढ़ाने हेतु विशेष रूप से प्लास्टिक चंद्रिकाओं को बनाया जाता है । नाली की ऊँचाई 6 सें मी होनी चाहिए और प्रत्येक चंद्रिका में 11 नलियॉ होनी चाहिए । चंद्रिके का मानक आकार 60 x 90 सें मी होता है और इसे कीटपालन बेड पर आसानी से रखा जा सकता है । प्रत्येक चंद्रिके में 300-350 कीटों को चढ़ाया जा सकता है ।

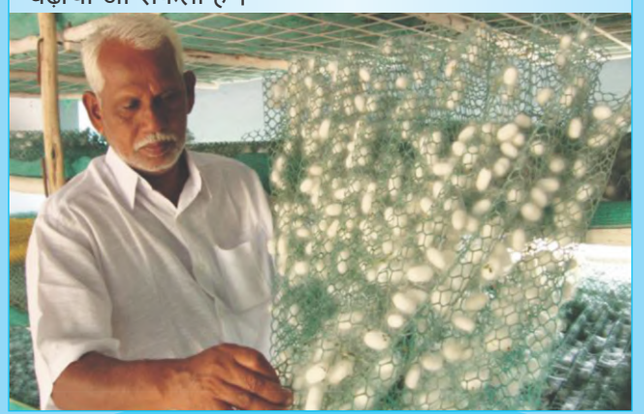

सावधानियॉ

- जब 4-5% कीट कोसा निर्माण के लिए तैयार हो जाते हैं तब कीटपालन बेड पर चूना छिड़के और हल्का आहार दें ।
- कीटपालन बेड पर सुविधाजनक आकार का नेट डाल दें फिर चंद्रिकाओं को नेट पर रख दें ।
- 6-8 घंटों बाद यदि चंद्रिकाओं पर अतिसंकुलता पाई जाए तो पहले रखी गई चंद्रिकाओं के सामने अतिरिक्त चंद्रिका रखी जाए ।
- समुचित वायु प्रवाह हो ।
- 3 दिन बाद नेट को चंद्रिकाओं सहित उठा लें और नेट को रस्सी से प्ररोह कीटपालन रैक के कोनों से बॉध लें या चंद्रिकाओं को कीटपालन से उठा लें । चंद्रिकाओं को उल्टा रखकर फर्श/प्ररोह कीटपालन रैक पर रखें ।
- चींटियों/चूहों/गिलहरियों से बचें ।
- कोसों को हाथ से अथवा केंरेअप्रसं, मैसूर द्वारा विकसित नया कोसा प्राप्ति साधन द्वारा प्राप्त करें

चंद्रिकोओं की सफाई एवं भंडारण

- कोसा प्राप्ति के बाद चंद्रिकाओं को सेरिटोर्च/ब्लो लैंप से साफ करें ।
- चंद्रिकाओं को 2% विरंजक चूर्ण और 3% चूना घोल में 2-3 घंटे डुबोकर रखें और उन्हें टैंक से निकालकर छाया में सुखा दें ।

- इसके बाद 8-10 चंद्रिकाओं को हाथ से /चंद्रिका बॉधनेवाले साधन का उपयोग करते हुए बॉधे और छोरों को धागे से बॉध ले ताकि एक समान नलियॉ हो ।

रोटरी चंद्रिका

यह एक जापानी प्रकार की उन्नत चंद्रिका है जो मोटे पेपर बोर्ड से बनी होती है। 10 कार्ड बोर्ड चंद्रिकाओं को चेकर बोर्ड पैटर्न में लगया जाता है । प्रत्येक कार्ड बोर्ड फ्रेम में 13 कतारों और 12 कॉलम के कुल 156 कक्ष होते हैं । ऐसी 10 चंद्रिकाओं को लकड़ी के फ्रेम में लगाया जाता है । इसे रोटरी चंद्रिका सेट जाना जाता है । 100 रो मु बी चक्तों के लार्वो को चढ़ाने हेतु इस प्रकार के 40-45 सेट अपेक्षित है ।

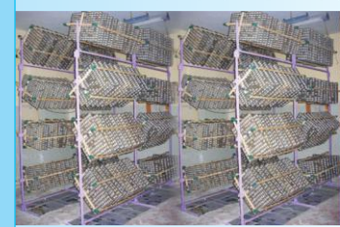

रोटरी चंद्रिकाओं के लाभ

- दोषपूर्ण कोसों में कमी (<5%)
- समान आकृति/आकार के कोसों का उत्पादन
- उच्च धागाकरण क्षमता
- कोसा बाज़ार में इन कोसों को अन्य चंद्रिकाओं से प्राप्त कोसों से रु. 15-20 कि ग्रा अधिक मूल्य प्राप्त होता है ।
- कोसा प्राप्त करना विसंक्रमण करना और भंडारण करना आसान है ।